COMMITTEE ON SUBORDINTE LEGISLATION

Twenty-seventh Report

SHRI R.S. SPARROW (Jullundur): I beg to present the Twenty-seventh Report (Hindi and English versions) of the Committee on Subordinate Legislation.

———

12,14 hrs

COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

Twenty-second Report

SHRI DEEN BANDHU VERMA (udanipur I beg to present the Twenty-second Report (Hindi and English versions) of the Committee on Papers laid on the Table.

———

COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

Minutes of the Twenty-second Report

SHRI DEEN BANDHU VERMA (Udaipur) : I be-g to lay on the Table Minutes (Hindi and English versions) of the sittings of the Committee on Papers laid on the Table relating to their Twenty-second Report.

———

12.15 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Development of Vidarbha region of Maharashtra.

श्री केशव राव पारधी (मंडारा) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय प्रस्तुत करता हूं :

विदर्भ में रेलवे कोच की फैक्ट्री लगाने वास्ते काफी दिनों से मांग है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने भी मांग की है और सिफारिश की है और रेलवे मंत्री अभी जब नागपुर आए थे, तो कई प्रतिनिधि मण्डल भी मिले। महाराष्ट्र में विदर्भ औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा क्षेत्र है। कोच फैक्टी विदर्भ में होवे। गोंदिया जबलपुर छोटी लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने वास्ते सर्वे हो चुका है। 1980 में बजट भाषण में उस समय के रेलवे मन्त्री ने यह रेलवे लाइन ब्राडगेज करने के वास्ते कहा भी था। बाद में भी इस लाइन को ब्राडगेज करने के वास्ते आश्वासन दिए गए। लेकिन इसका काम नहीं लिया गया। यह लाइन ब्राड्गेज करने से ट्रांसिट में जो रेलने का नुकसान व समय नष्ट होता है वह तो बेचगा ही यह लाइन पिछड़े हुए आदिवासी क्षेत्र से जाती है। मैंगनीज की ट्रांसपोर्ट इसी लाइन से होती है। मलहज खण्ड तांबे की खदानें इसी लाइन पर हैं तथा चन्द्रपुर गोंदिया जबलपुर पुरी लाइन ब्राडगेज हो जाने से उत्तर भारत और दक्षिण भारत के लिए नागपुर के अलावा दूसरी लाइन का काम भी होता है और दूरी भी कम होती है। इसलिए इस लाइन को ब्राडगेज तुरन्त करना जरूरी है। मण्डारा रोड से कवडसी (जवाहर नगर) तक रेलवे लाइन गई है। इस लाइन पर पैसेंजर ट्रेन चलाने वास्ते काफी वर्षों से मांग है। कहा जाता है कि इस रास्ते पर बसेस चलती हैं। लेकिन बसों में लोगों को पैसा भी ज्यादा देना पड़ता है और सरकार जैसा समझती है उतनी बसें भी नहीं चलती हैं। मण्डारा रोड से कवडसी तक पैसेंजर ट्रेन चलाने से डिफेंस फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों को तथा बीच में मंडारा यह बड़ा शहर पड़ता है वहां जाने के लिए